Date : / /

Q. What is Ranking method? A comparative study of Ranking and Rating methods.

Ans. Ranking method शिक्षा मनोविज्ञान की एक प्रमुख विधि है इस विधि को method of Rank order भी कहा जाता है इस विधि द्वारा व्यक्तियों या छात्रों के शील गुणों का अध्ययन उस समय करते हैं जब छात्रों की संख्या कम होती है साथ ही स्वाभाविक परिस्थितियों में इस का प्रयोग अधिक होता है जैसे कक्षा किसी छोटे समूह के आत्मनिष्ठ शीलगुणों subjective traits ईमानदारी नैतिक एवं चारित्रिक शीलगुणों के अध्ययन के लिए Rank method का प्रयोग किया जाता है। इस विधि द्वारा observer शिक्षक या students के शीलगुणों के आधार पर High Rank से low rank की दिशा में Ranking करता है जैसे moral and character traits का Ranking कर रहा है तो Rank 1, 2, 3 आदि के आधार पर Ranking करता है Rank 1 उसको जो अधिक moral & character गुण को रखता है जब कि Rank 2 उस से कम और 3 उस से

(2)

Page No.
Date

कम वाले को देता है। इन Ranking को प्रदान करने के बाद प्राप्त Data का Statistical analysis सांख्यकीय विश्लेषण किया जाता है फिर उससे प्राप्त परिणाम के आधार पर निष्कर्ष पर observer पहुँचता है। उदाहरण के रूप में 10 छात्राओं की Punctuality समयनिष्ठता को देखना है तो 10 छात्राओं को Ranking करेंगे इसी तरह इन्हीं छात्राओं के अन्दर कितनी Responsibility पाई जाती है इस का पता लगाना है तो इन को भी Ranking 1 से 10 तक प्रदान करेंगे इसके बाद प्राप्त Rank के data के इन दोनों सेटों के आधार पर किसी Statistics Rank difference method या Kendall Rank difference method का प्रयोग करके Rank Correlation निकालेंगे और प्राप्त Result को देखते हैं और यह [illegible] Punctuality निष्कर्ष प्राप्त करते हैं कि Responsibility और Punctuality दोनों ही Positively correlated धनात्मक है या नहीं अगर Positive है तो यह अनुमान लगाया है कि बालिकाओं में Responsibility का शीलगुण अधिक है उनमें समयनिष्ठता Punctuality का भी शील गुण अधिक है।

(3)

Merits

1) इस विधि द्वारा प्राप्त Result अधिक विश्वसनीय तथा वैध होते हैं क्योंकि कुल छात्रों का Ranking किया जाता है उच्च से नीचे क्रम का Rank किया जाता है किसी को छोड़ा नहीं जाता।

(2) इस विधि के प्रयोग करने से केन्द्रीय प्रवृत्ति की त्रुटि error of central tendency, कठोरता की त्रुटि error of severity तथा error of leniency उदारता की त्रुटि पर control करना सम्भव हो जाता है।

(3) इस विधि का एक गुण यह भी है कि इसके प्रयोग से observer को Ranking सभी प्रत्येक छात्र को देते समय सभी के अन्दर की भिन्नता difference सही रूप से पता लग जाता है

Demerits

(1) इस विधि के प्रयोग का सबसे पहला दोष यह बताया गया है कि इसके प्रयोग से जिन छात्रों या व्यक्तियों की Ranking की जा रही है उन सभी के आपसी भिन्नता का अन्तर का पता नहीं लगा पाता है

(4)

जैसे Responsibility में 70-69 और 50, 50 Ranking
चार छात्राओं को ग्राया।
1, 2, 3, 4 तो किया लेकिन 70-69 तो करीब थे लेकिन 50-20 में काफी अन्तर है जो इस विधि की त्रुटि मानी जा सकती है

(2) इस विधि का दूसरा दोष यह है कि इस को अधिक संख्या पर प्रयोग बहुत कठिन है कम संख्या पर ही यह method प्रयोग कर सकते हैं

(3) इस demerits के होते हुए भी इस विधि का प्रयोग Educational Psychologist आदि Implicit शक्तियों के Study में अधिक करते हैं

Rating & Ranking method

में जहाँ तक अन्तर का प्रश्न है तो इन दोनों में निम्नलिखित अन्तर पाया जाता है।

(1) Rating method में observer व्यक्ति से संबंधित सभी items एकांकी की लिए गये कुल categories में से दो या तीन categories में रखकर अध्ययन पूरा कर सकता है लेकिन Rank method में observer को प्रेक्षक all categories या Points का प्रयोग करने के लिए बाध्य होता है। जैसे 10 छात्रों की Punctuality का

(5)

Date : / /

पता लगाना है तो प्रत्येक कथन की 5-5 उत्तर-category है तो प्रेक्षक क्रम 1 से 10 तक का प्रयोग करके ही अपना study पूरा करेगा ऐसा नहीं है कि कुछ category का प्रयोग करे और कुछ का नहीं।

(2) Rating method में error of Central tendency (केन्द्रीय प्रवृत्ति) की त्रुटि एक बड़ी समस्या है इस में प्रेक्षक छात्र या candidate की उनके traits को Average marking करके छोड़ देते हैं। Rank method में यह error न्यूनतम होता है क्योंकि Central में आ जाता है क्योंकि प्रेक्षक को छात्रों के बीच कुछ High कुछ Low rank देना ही होता है।

(3) Rating method में प्रत्येक student Item या को अलग अलग उत्तर Category में ~~distribute~~ discrimination करते समय सभी Item की आपस में कोई तुलना नहीं की जाती जबकि Rank method में प्रेक्षक सभी items का एक दूसरे से discrimination करते हुए ~~करते हैं~~, Ranking करते हैं।

(6)

(4) Rating method का use छात्रों की संख्या अधिक होने पर सम्भव हो सकता है लेकिन Rank method का प्रयोग करते समय जब छात्रों की संख्या कम होती है तो यह अच्छा माना जाता है

इन सब के बावजूद

Rating तथा Ranking method का महत्व अपनी-अपनी जगह पर है और दोनों methods Educational Psychology पर छात्रों के traits को जानने में उपयोगी है

।